# Daily Current Affairs

Date : 30 March, 2026

## अनुक्रमणिका


| क्र. सं. | टॉपिक का नाम |
|---|---|
| 1. | स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025 |
| 2. | राजस्थान में नई व्यावसायिक एलपीजी वितरण नीति लागू |
| 3. | केन्द्रीय भू-जल बोर्ड रिपोर्ट |
| 4. | राजस्थान में ईवी चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार |
| 5. | राजस्थान में पहली बार सीडी रेशियो 100% पार |
| 6. | राजस्थान में प्रमुख, प्रधान और सरपंचों के मानदेय में 10% वृद्धि |
| 7. | जयपुर एयरपोर्ट पर शुरू हुआ 'उड़ान यात्री कैफे' |
| 8. | रक्षा अधिग्रहण परिषद् (DAC) |
| 9. | आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) वार्षिक रिपोर्ट |
| 10. | पेमेंट विजन 2028 |
| 11. | तिलहन और दलहन के उत्पादन एवं उपलब्धता पर रिपोर्ट |
| 12. | कृषि पर ईरान युद्ध का प्रभाव |
| 13. | भारत–नेपाल संबंध |
| 14. | ग्रुप ऑफ सेवन (G-7) |
| 15. | बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य |
| 16. | शिगेलोसिस (Shigellosis) |




उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान परिदृश्य

## स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025

### चर्चा में क्यों?

- राज्य के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा विकसित फूड एवं न्यूट्रिशन सिक्योरिटी एनालिसिस डैशबोर्ड व राजस्थान आवासन मण्डल की समृद्धि अपार्टमेंट योजना को प्रतिष्ठित स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है।

### मुख्य बिन्दु:

- समय व स्थान: यह सम्मान 28 मार्च, 2025 को नई दिल्ली स्थित नेशनल हैबिटेट सेंटर में आयोजित स्कॉच समिट के दौरान प्रदान किया गया।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :**

- **फूड एवं न्यूट्रिशन सिक्योरिटी एनालिसिस डैशबोर्ड:** यह डैशबोर्ड राज्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा की स्थिति का जिलेवार आकलन प्रस्तुत करता है। विश्व स्तर पर स्थापित मानकों के आधार पर तैयार यह प्लेटफॉर्म नीति-निर्माताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सटीक एवं विस्तृत विश्लेषण उपलब्ध कराता है, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। डैशबोर्ड का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्ष 2024 में किया गया था।
- **राजस्थान आवासन मण्डल:** पूर्व विगत दो वर्षों में मण्डल को फाउन्टेन स्क्वायर पार्क एवं एक्सपॉजिशन ग्राउन्ड के लिए आईबीसी अवार्ड , मण्डल मुख्यालय को ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बीईई की 5 स्टार रेटिंग का अवार्ड, मण्डल की माही योजना को नारोडको द्वारा अवार्ड तथा एसएस रेजीडेंसी को इंडियन कंक्रीट इंस्टीट्यूट द्वारा अवार्ड मिल चुका है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान में नई व्यावसायिक एलपीजी वितरण नीति लागू

## चर्चा में क्यों?

- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा व्यावसायिक एलपीजी गैस के आवंटन हेतु नई नीति जारी की गई है। अंतरराष्ट्रीय (पश्चिम एशिया) घटनाक्रमों के कारण प्रभावित गैस आपूर्ति को पुनः व्यवस्थित करने के लिए यह कदम उठाया गया।

## मुख्य बिन्दु:

- **नई नीति के तहत प्राथमिकता के आधार पर एलपीजी आवंटन:**
  - **शैक्षणिक संस्थान व अस्पताल:** 100%
  - **होटल-रेस्तरां, ढाबे, डेयरी:** 60%
  - **औद्योगिक उपभोक्ता:** 40%
  - **अन्य एनडीएनई उपभोक्ता:** 50%
  - **धार्मिक आयोजन, विवाह आदि:** 50%


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- प्रवासी श्रमिकों व फूड कार्ट्स को 5 किलोग्राम सिलेंडर (अधिकतम 2) उपलब्ध।
- सरकारी संस्थान, स्कूल-कॉलेज, सुरक्षा बलों के मेस आदि को 100% आपूर्ति जारी।
- एलपीजी आवंटन का निर्धारण अप्रैल, 2025–फरवरी, 2026 की औसत खपत के आधार पर होगा।
- सभी व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए ऑयल गैस कंपनी के वितरक के साथ पंजीकरण अनिवार्य। बिना पंजीकरण एलपीजी सिलेंडर नहीं मिलेगा।
- यदि उपभोक्ता के क्षेत्र में पीएनजी पाइपलाइन उपलब्ध है तो उसे पहले सिटी गैस वितरण (CGD) कंपनी में पंजीकरण कर पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन करना होगा। कनेक्शन मिलने तक वह व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर का उपयोग कर सकेगा।
- यदि कोई व्यावसायिक उपभोक्ता ऐसी प्रक्रिया में एलपीजी का उपयोग कर रहा है, जिसे प्राकृतिक गैस से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता अथवा जिसके क्षेत्र में पीएनजी पाइपलाइन नहीं है, उस पर यह नियम लागू नहीं होगा।
- किसी जिले में एलपीजी बच जाती है, तो जिला स्तरीय समिति द्वारा कलेक्टर की अध्यक्षता में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अतिरिक्त आवंटन का निर्णय लिया जाएगा।
- नीति का उद्देश्य पारदर्शी, संतुलित और प्राथमिकता आधारित गैस वितरण सुनिश्चित करना है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# केन्द्रीय भू-जल बोर्ड रिपोर्ट

## चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय भू-जल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में पिछले साल के मुकाबले भू-जल स्तर में 76 प्रतिशत स्थानों पर वृद्धि दर्ज की गई है जबकि 24 प्रतिशत इलाकों में जलस्तर नीचे गया है, जिससे जल संकट और पानी की उपलब्धता का समाधान होगा।

## मुख्य बिन्दु:

- **67.2 प्रतिशत स्थानों पर भू-जल स्तर बढ़ा।**
  1. **0.01 मीटर सबसे कम वृद्धि –** जैसलमेर के अरजाना व बीकानेर के बिनजावारी में।
  2. **37.66 मीटर की सर्वाधिक वृद्धि –** दौसा के सायपुर पाखर में।
  3. **41.6 प्रतिशत जगह वृद्धि 2 मीटर से कम** (राज्य के पूर्वी क्षेत्र में)
  4. **12.9 प्रतिशत जगह वृद्धि 4 मीटर से अधिक –** राज्य के पूर्वी, दक्षिण-पश्चिमी, उत्तर-पूर्वी और मध्य भाग।

**गिरावट:-**

1. **32.8 प्रतिशत स्थानों पर गिरावट** (पश्चिमी, उत्तरी व उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में)।
2. **न्यूनतम गिरावट 0.02 मीटर –** श्रीगंगानगर के रामसिंहपुरा में।
3. **अधिकतम गिरावट 31.73 मीटर –** सीकर के धोद में।
4. **22.9 प्रतिशत गिरावट 2 मीटर से कम –** पश्चिमी जिलों में।

- **सबसे ऊपर भू-जल स्तर –** कोशिथल (भीलवाड़ा) – सतह से मात्र 0.01 मीटर नीचे।
- **सबसे नीचे भू-जल स्तर –** अभयसिंहपुरा (बीकानेर) – सतह से 162 मीटर गहराई पर।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान में ईवी चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार

## चर्चा में क्यों?

- वैश्विक तेल संकट और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में संभावित वृद्धि के बीच राजस्थान ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) को बढ़ावा दे रहा है। चार्जिंग की कमी को दूर करने के लिए बड़े स्तर पर 5000 नए चार्जिंग स्टेशन, हर 300–500 मीटर पर चार्जिंग सुविधा के साथ चार्जिंग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है।

## मुख्य बिन्दु:

- **राजस्थान में ईवी की संख्या:** लगभग 2.5–3 लाख।
- **जनवरी, 2026 में नए रजिस्ट्रेशन:** 6252 इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहन।
- **वर्तमान सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन:** 1531 (जुलाई 2025 तक) ।
- **नई योजना:** राज्य में 5000 नए चार्जिंग स्टेशन लगाने का लक्ष्य।
- शहरों में हर 300–500 मीटर पर चार्जिंग सुविधा।
- हाईवे, पार्किंग, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स और सार्वजनिक स्थानों पर स्टेशन।
- **मुख्य शहरों में शुरुआत:** जयपुर, अलवर, कोटा, भीलवाड़ा, भरतपुर।
- **देश में ईवी बाजार:** 2024: 2.36 अरब डॉलर, 2033: 164 अरब डॉलर से अधिक अनुमानित, 2025 में बिक्री: 19.7 लाख ईवी (16.9% वृद्धि)।



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान में पहली बार सीडी रेशियो 100% पार

## चर्चा में क्यों?

- राजस्थान के 83 साल के बैंकिंग इतिहास में पहली बार बैंकों का कुल कर्ज, जमा राशि से अधिक हो गया। यानी ऋण-जमा अनुपात (Credit-Deposit Ratio) 100.7% तक पहुंच गया। यह विकास व्यापार, कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए धन की बढ़ी हुई मांग को दर्शाता है, लेकिन जोखिम प्रबंधन की आवश्यकता भी बताता है।

## मुख्य बिन्दु:

- **साल 2024 में:**
  - **कुल जमा:** ₹7.26 लाख करोड़
  - **कुल कर्ज:** ₹7.16 लाख करोड़
  - **सीडी रेशियो:** 98.60%
- **साल 2025 में:**
  - **जमा:** ₹8.05 लाख करोड़ (10.8% वृद्धि)
  - **कर्ज:** ₹8.10 लाख करोड़ (13.16% वृद्धि)
  - **सीडी रेशियो:** 100.7%
- **सीडी रेशियो का महत्त्व:**
  - **आदर्श सीडी रेशियो:** 70–75% (RBI के अनुसार)


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- 100% से अधिक सीडी रेशियो व्यापार, कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए धन की बढ़ी हुई मांग को दर्शाता है।
- **जोखिम:** बैंकों में नकदी की कमी और कर्ज महंगा होना।

■ **प्रति व्यक्ति आँकड़े (सितंबर, 2025):**

- **प्रति व्यक्ति जमा:** ₹86,383
- **प्रति व्यक्ति कर्ज:** ₹78,023
- **आय:** ₹1,85,053

■ **क्षेत्रीय वितरण:**

- **सरकारी बैंक:** शहरी क्षेत्रों में अधिक कर्ज, ग्रामीण में कम
- **निजी बैंक:** ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जमा से अधिक कर्ज (1.8x)
- **सहकारी बैंक:** जमा से अधिक कर्ज (1.25x)
- **स्मॉल फाइनेंस बैंक:** जमा के मुकाबले 112.88% कर्ज

| ज्यादा सीडी रेशियो वाले (प्रतिशत में) | कम सीडी रेशियो (प्रतिशत में) |
|---|---|
| बाड़मेर- 339.77 | सलूंबर- 71.21 |
| हनुमानगढ़- 186.19 | भरतपुर- 71.09 |
| भीलवाड़ा- 154.30 | राजसमंद- 71.01 |
| जैसलमेर - 145.68 | डूँगरपुर- 62.09 |
| प्रतापगढ़- 145.60 | सिरोही- 55.40 |


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान में प्रमुख, प्रधान और सरपंचों के मानदेय में 10% वृद्धि

## चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों के कामकाज और उनके जीवन यापन को सुगम बनाने के लिए उनके मानदेय में बढ़ोतरी की है। पिछले साल से ग्राम पंचायतों में पूर्व सरपंच प्रशासक के रूप में कार्य कर रहे हैं, लेकिन उन्हें मानदेय नहीं मिलेगा।

## मुख्य बिन्दु:

- **सरपंचों का नया मानदेय:** 7,347 रुपए
- **प्रधानों का नया मानदेय:** 12,858 रुपए
- **जिला प्रमुख का नया मानदेय:** 18,368 रुपए
- **लाभार्थी:** 12 जिला परिषदों के प्रमुख और 78 पंचायत समितियों के प्रधान
- **पूर्व सरपंच:** ग्राम पंचायतों में प्रशासक के रूप में काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई मानदेय नहीं मिलेगा।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# जयपुर एयरपोर्ट पर शुरू हुआ 'उड़ान यात्री कैफे'

## चर्चा में क्यों?

- जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने यात्रियों को सस्ती और सुविधाजनक खाद्य सेवा देने के लिए राज्य का पहला 'उड़ान यात्री कैफे' शुरू किया है।

## मुख्य बिन्दु:

- कैफे का ई-उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने किया।
- **उद्देश्य:** आम यात्रियों को एयरपोर्ट पर सस्ती और किफायती (सिर्फ 10 रुपए से शुरू) खान-पान सुविधा प्रदान करना।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राष्ट्रीय परिदृश्य

## रक्षा अधिग्रहण परिषद् (DAC)

### चर्चा में क्यों?

- रक्षा अधिग्रहण परिषद् (DAC) ने पाँच अतिरिक्त S-400 मिसाइल प्रणालियों सहित ₹2.38 लाख करोड़ के प्रस्तावों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति प्रदान की।

### मुख्य बिन्दु:

#### रक्षा अधिग्रहण परिषद् (DAC):

- यह सामरिक रक्षा अधिग्रहण योजना-निर्माण और निरीक्षण के लिए शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करती है।
- **अध्यक्ष:** केंद्रीय रक्षा मंत्री।
- **कार्य:** पूँजीगत अधिग्रहण को सैद्धांतिक मंजूरी देना और प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करना।

#### S-400 वायु रक्षा प्रणाली:

- लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली।
- **लक्ष्य क्षमता:** 400 किमी तक की सीमा में विमानों, क्रूज मिसाइलों, ड्रोनों और बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराती है।
- यह एक साथ 36 लक्ष्यों को भेद सकती है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# आर्थिक घटनाक्रम

## आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) वार्षिक रिपोर्ट

### चर्चा में क्यों?

- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) वार्षिक रिपोर्ट, 2025 (जनवरी, 2025 – दिसंबर, 2025) जारी की गई।

### मुख्य बिन्दु:

- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण पहली बार वर्ष 2017 में शुरू किया गया था। इस सर्वेक्षण की रिपोर्ट केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत् राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी की जाती है।
- वर्ष 2025 से, सर्वेक्षण की अवधि को कृषि वर्ष (जुलाई-जून) से बदलकर कैलेंडर वर्ष (जनवरी-दिसंबर) कर दिया गया।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

**प्रमुख संकेतक:**

- **श्रम बल भागीदारी दर (LFPR):** जनसंख्या में श्रम बल में शामिल व्यक्तियों का प्रतिशत।
- **कार्मिक जनसंख्या अनुपात (WPR):** जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत।
- **बेरोजगारी दर (UR):** श्रम बल में शामिल व्यक्तियों में से बेरोजगार व्यक्तियों का प्रतिशत।
- **गतिविधि स्थिति - सामान्य स्थिति (Usual Status):** सर्वेक्षण की तिथि से ठीक पहले के पिछले 365 दिनों की संदर्भ अवधि में कार्य या गतिविधि के आधार पर निर्धारित की जाती है।
- **गतिविधि स्थिति- CWS:** सर्वेक्षण की तिथि से ठीक पहले के पिछले 7 दिनों की संदर्भ अवधि में कार्य या गतिविधि के आधार पर निर्धारित की जाती है।

**रिपोर्ट के मुख्य बिंदु**

- **श्रम बल भागीदारी दर (LFPR):** 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए यह दर 59.3% रही (पुरुष भागीदारी- 79.1% और महिला भागीदारी- 40%)।
- पुरुषों में, 69.8% ने श्रम बल में न होने का मुख्य कारण पढ़ाई जारी रखने की इच्छा बताया, जबकि महिलाओं में 44.4% ने बच्चों की देखभाल/घरेलू कार्य से जुड़ी व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को मुख्य कारण बताया।
- **कार्मिक जनसंख्या अनुपात (WPR):** 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लिए कुल WPR 57.4% है (पुरुषों के लिए 76.6% और महिलाओं के लिए 38.8%)।
- **बेरोजगारी दर:** 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर 3.1% थी (ग्रामीण- 2.4% और शहरी- 4.8%)।
- **स्व-नियोजित व्यक्तियों की हिस्सेदारी:** 2023 (58.2%) से 2025 (56.2%) तक धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की गई है।
- **क्षेत्रक-वार रोजगार:** कृषि क्षेत्रक सबसे बड़ा नियोक्ता बना हुआ है, हालांकि कुल रोजगार में इसकी हिस्सेदारी 2024 की 44.8% से घटकर 2025 में 43% हो गई।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# पेमेंट विजन 2028

## चर्चा में क्यों?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 'पेमेंट विजन 2028' की घोषणा की। यह विजन भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली को मजबूत करने और विस्तार देने के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा प्रदान करता है।

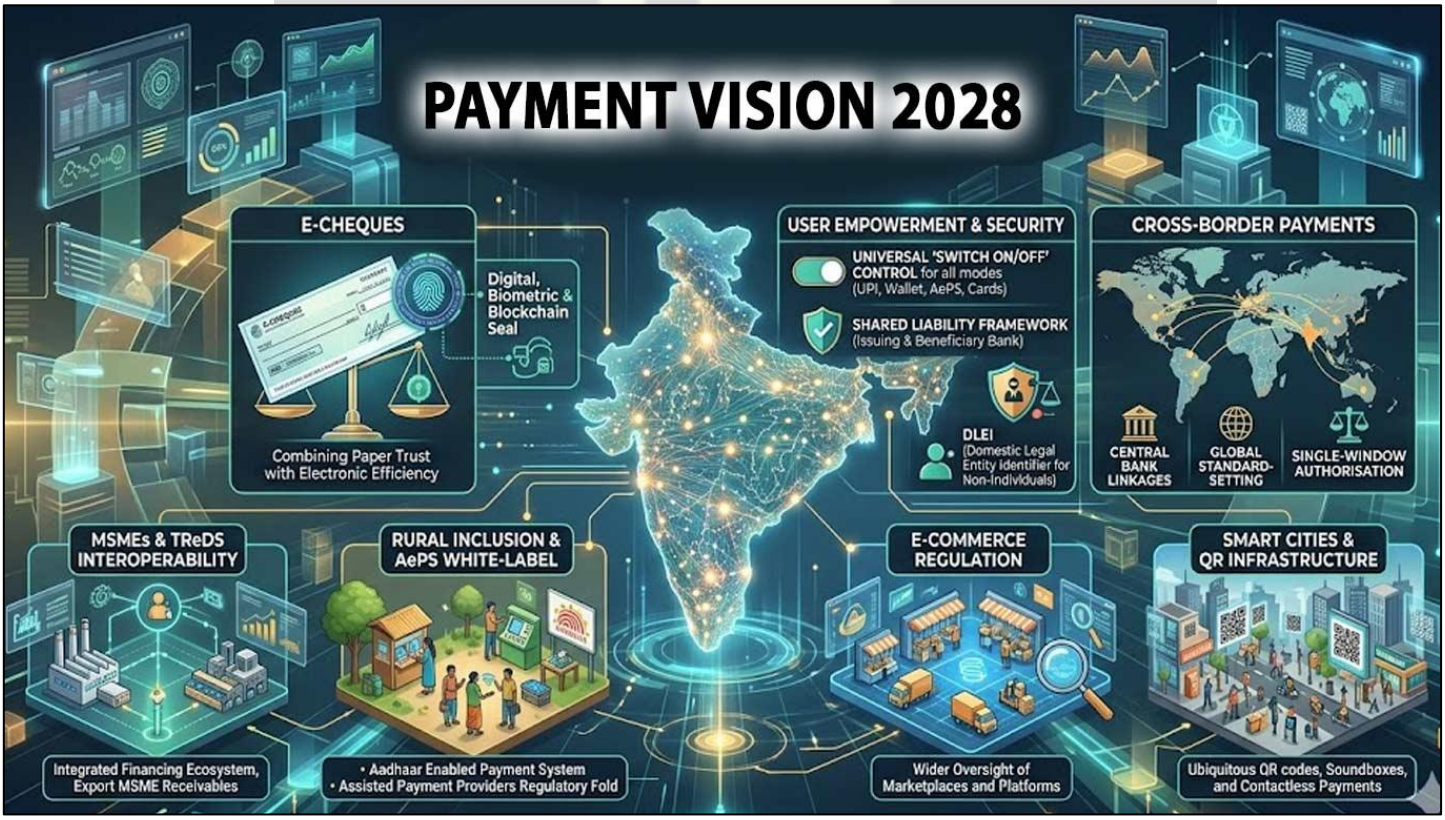


## मुख्य बिन्दु:

### पेमेंट विजन 2028 के मुख्य क्षेत्र

- **सीमा पार डिजिटल भुगतान में सुधार:** डिजिटल माध्यमों से अंतरराष्ट्रीय भुगतान को आसान बनाने के लिए भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के तहत 'सिंगल-विंडो ऑथराइजेशन' प्रक्रिया की संभावना तलाशने की बात कही गई है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (TReDS) की अंतर-संचालनीयता:** MSMEs को वित्तपोषण प्रदान करने में दक्षता बढ़ाने के लिए अलग-अलग भुगतान प्लेटफार्मों के बीच एकीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा।
- **प्रस्तावित पहलें:** "स्विच ऑन/ऑफ" सुविधा, पेमेंट्स स्विचिंग सर्विस (PaSS), यूनिफॉर्म डोमेस्टिक लीगल एंटिटी आइडेंटिफायर (DLEI) जैसे कदम उठाए जाएंगे।

### भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली

- **विश्व में अग्रणी:** विश्व के लगभग 50% रियल-टाइम डिजिटल भुगतान भारत में निपटाए जाते हैं।

### प्रमुख पहलें:

- **डिजिटल अवसंरचना का प्रसार:** 2004 में रियल-टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) की शुरुआत की गई। साथ ही, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (NEFT), इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विसेज (ECS) और चेक ट्रंकेशन सिस्टम (CTS) की भी शुरुआत की गई।
- **संस्थागत व्यवस्था का प्रावधान:** 2005 में RBI के तहत भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग (DPSS) का गठन किया गया। 2008 में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) की स्थापना की गई।
- **विनियामकीय व्यवस्था:** भुगतान और निपटान प्रणाली (PSS) अधिनियम, 2007 लागू किया गया। इस अधिनियम ने RBI को भुगतान प्रणालियों को विनियमित करने का वैधानिक अधिकार प्रदान किया।
- **रूपांतरणकारी डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्मों की शुरूआत:** यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI), भारत बिल पेमेंट सिस्टम (BBPS), और आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS) जैसी प्रणालियों की शुरुआत की गई।
- **डिजिटल भुगतान बाजार का विस्तार:** प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (PPIs) का लाइसेंस प्रदान किया गया और विस्तार किया गया। MSME को यथाशीघ्र भुगतान प्राप्त करने के लिए ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (TReDS) की शुरुआत की गई। पेमेंट एग्रीगेटर्स पर मास्टर दिशा-निर्देश जारी किए गए।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# तिलहन और दलहन के उत्पादन एवं उपलब्धता पर रिपोर्ट

## चर्चा में क्यों?

- संसदीय स्थायी समिति ने "देश में तिलहन और दलहन के उत्पादन एवं उपलब्धता" पर रिपोर्ट जारी की।

## मुख्य बिन्दु:

### तिलहन

**महत्व:**

- **आर्थिक आधार पर:** खाद्यान्नों के बाद कृषि क्षेत्रक में दूसरा सबसे बड़ा उत्पाद है। भारत के कुल फसल क्षेत्र में से 14.3% पर इसकी खेती की जाती है।
- **पोषण सुरक्षा के आधार पर:** ये फसलें आहार से मिलने वाली ऊर्जा का 12–13% और आवश्यक वसा प्रदान करती हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- भारत में खाद्य-तेल की प्रति व्यक्ति खपत 1996–2006 के दौरान 9.85 किलोग्राम से बढ़कर 2022–23 में 20.3 किलोग्राम हो गई है।
- **छिपी हुई भुखमरी दूर करने में:** वसा-घुलनशील विटामिन (A, D, E, K) से प्रचुर होने के कारण तिलहन सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी और कुपोषण को दूर करने में मदद करते हैं।
- **किसानों की आजीविका के आधार पर:** ये मुख्यतः वर्षा सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाने वाली महत्त्वपूर्ण नकदी फसलें हैं।
- **उत्पादन:** भारत तिलहन का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है। अरंडी, तिल, कुसुम, नाइजर के उत्पादन में प्रथम स्थान पर; मूँगफली में द्वितीय स्थान पर; तथा सरसों-रेपसीड के उत्पादन में तृतीय स्थान पर है।

**समस्याएँ:**

- कम उत्पादकता
- उच्च उपज वाली किस्मों (HYVs) के कम उपयोग
- बीज प्रतिस्थापन दर (SRR) अपर्याप्त
- बीज प्रतिस्थापन दर (SRR) कुल फसल क्षेत्र का वह प्रतिशत है, जिसमें खेत में सुरक्षित रखे गए बीजों की बजाय प्रमाणित/गुणवत्तापूर्ण बीजों की बुवाई की जाती है।
- भारत अपनी खाद्य-तेल आवश्यकता का 56% आयात करता है, जिससे वैश्विक मूल्य में अस्थिरता और आपूर्ति में व्यवधान होने से प्रभावित होने का खतरा बना रहता है।

**तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए समिति की सिफारिशें**

- **पीएम-आशा योजना** में सुधार करना चाहिए और इसके तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीद को वर्तमान 25% से बढ़ाकर राष्ट्रीय तिलहन उत्पादन के 100% तक विस्तारित करना चाहिए।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन –** ऑयल पाम के क्रियान्वयन को तेज किया जाए। साथ ही, ताजा फल गुच्छों के लिए पर्याप्त व्यवहार्यता मूल्य-अंतर भुगतान (Viability Gap Payment) प्रदान किए जाए और रोपण सामग्री की लागत पर 80% तक सब्सिडी दी जाए।
- मूल्य-अंतर से आशय है फसल मूल्य का न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम होना।
- **जैव प्रौद्योगिकी** में पर्याप्त निवेश किया जाए, जिसमें CRISPR-Cas9, मार्कर-सहायता प्राप्त फसल चयन आदि शामिल हों, ताकि जलवायु-सहिष्णु, उच्च उपज और कीट-प्रतिरोधी किस्में विकसित की जा सकें।
- वर्ष 2030 तक देश के प्रत्येक जिले में कम से कम एक बीज केंद्र खोला जाए और साथी पोर्टल का विस्तार वर्ष 2027 तक सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों तक किया जाए।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# कृषि पर ईरान युद्ध का प्रभाव

## चर्चा में क्यों?

- मध्य पूर्व क्षेत्र में युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से आपूर्ति में व्यवधान से वैश्विक कृषि के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।

## मुख्य बिन्दु:

### कृषि पर युद्ध का प्रभाव:

- **उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान:** मध्य पूर्व क्षेत्र अमोनिया, यूरिया, फास्फेट और सल्फर सहित आवश्यक कृषि रसायनों के उत्पादन और निर्यात का महत्त्वपूर्ण केंद्र है।
- **कृषि इनपुट लागत में वृद्धि:** प्रमुख उर्वरक उत्पादों की कीमतों में उछाल।
- **वैश्विक खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति:** ऊर्जा और उर्वरक की कीमतों में वृद्धि सीधे उत्पादन लागत को बढ़ाती है। इससे उपभोक्ता खाद्य कीमतें बढ़ जाती हैं और वैश्विक खाद्य वहनीयता पर चिंता उत्पन्न होती है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

## भारत–नेपाल संबंध

### चर्चा में क्यों?

- भारत के प्रधानमंत्री ने श्री बालेंद्र शाह को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी तथा भारत-नेपाल मित्रता और सहयोग को मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की।

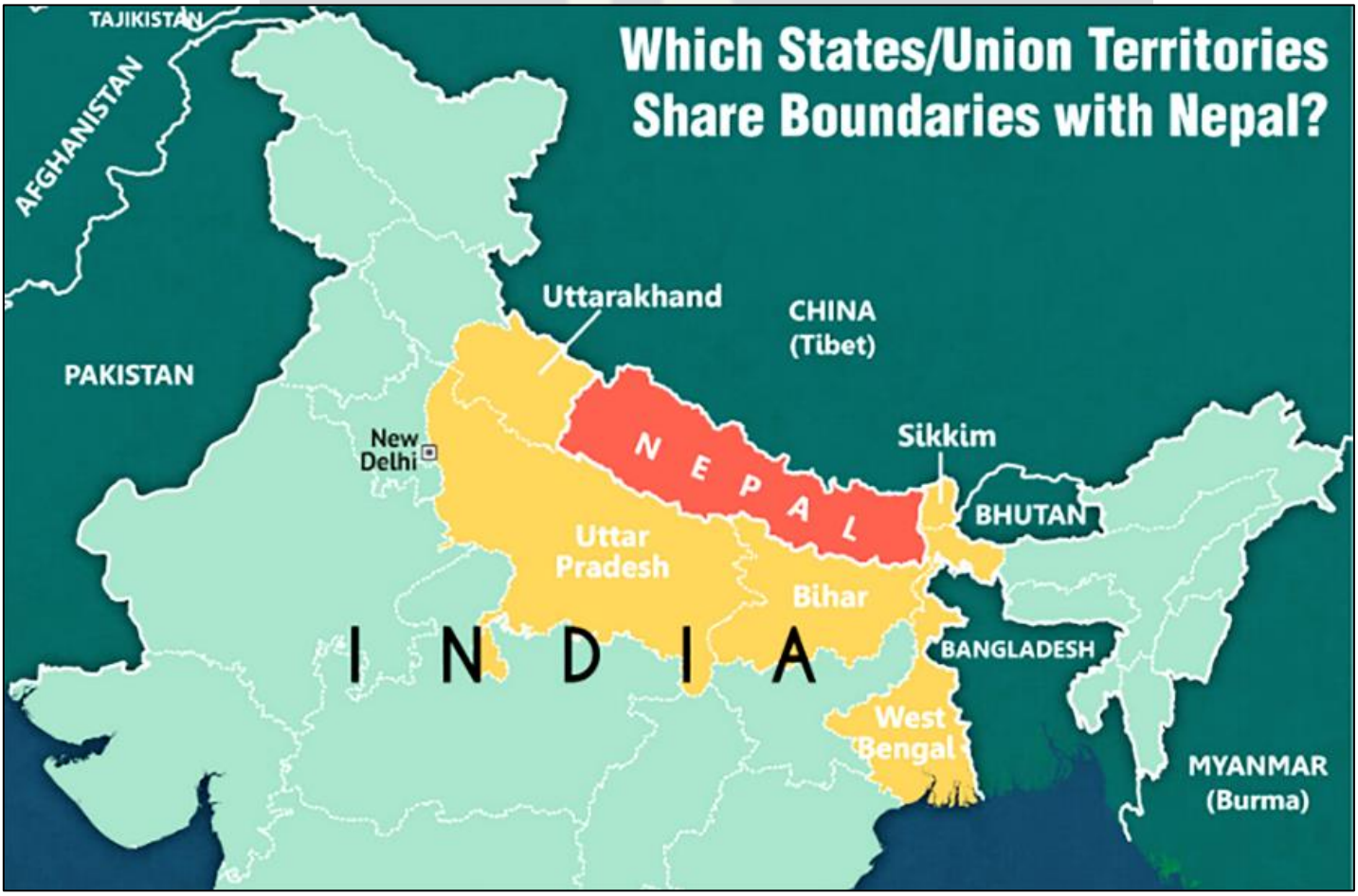


### मुख्य बिन्दु:

#### भारत के लिए नेपाल का महत्त्व

- **रणनीतिक एवं सुरक्षा की दृष्टि से महत्त्व:** यह भारत और चीन के बीच एक बफर (मध्यवर्ती) देश के रूप में कार्य करता है और भारत की उत्तरी सीमा को सुरक्षित करता है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- भारत की "नेबरहुड फर्स्ट" नीति के तहत, नेपाल क्षेत्रीय स्थिरता और सहयोग के लिए महत्त्वपूर्ण है, तथा बिम्सटेक के साथ भारत की भागीदारी को आकार देता है।
- **क्षेत्र में आर्थिक प्रभाव:** भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
- **जल संसाधन का प्रबंधन:** नेपाल की नदियाँ भारत में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। (जल प्रबंधन और बाढ़ नियंत्रण)
- **सैन्य सहयोग:** भारतीय सेना की गोरखा रेजीमेंट्स दोनों देशों के बीच मजबूत सैन्य सहयोग और परस्पर विश्वास का परिचायक है।
- **सांस्कृतिक एवं लोगों के बीच संबंध:** दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों की जड़ें गहरी और मजबूत हैं। (रोटी-बेटी संबंध)

### भारत-नेपाल द्विपक्षीय संबंधों में चुनौतियाँ

- **सीमा विवाद:** कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और सुस्ता को लेकर विवाद अनसुलझे हैं।
- **चीन के प्रभाव को लेकर चिंताएँ:** नेपाल और चीन के बीच संबंध मजबूत हो रहा है। उदाहरण के लिए-चीन की बेल्ट और रोड इनिशिएटिव में नेपाल की भागीदारी।
- **जल बंटवारा को लेकर विवाद:** महाकाली, कोसी और गंडक नदी जल संधियों को लेकर समय-समय पर मुद्दे उभरते रहते हैं।
- **जलविद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी:** पंचेश्वर, अरुण-III, अपर कर्णाली आदि परियोजनाओं के पूरा होने में विलंब हो रहा है।
- **खुली सीमा से जुड़े मुद्दे:** इससे अवैध व्यापार और तस्करी को बढ़ावा मिलता है तथा भारत के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताएँ उत्पन्न होती हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# ग्रुप ऑफ सेवन (G-7)

## चर्चा में क्यों?

- G-7 ने मध्य पूर्व में युद्ध पर एक विज्ञप्ति जारी कर नागरिकों और नागरिक अवसंरचनाओं के खिलाफ हमलों को तत्काल रोकने का आह्वान किया।

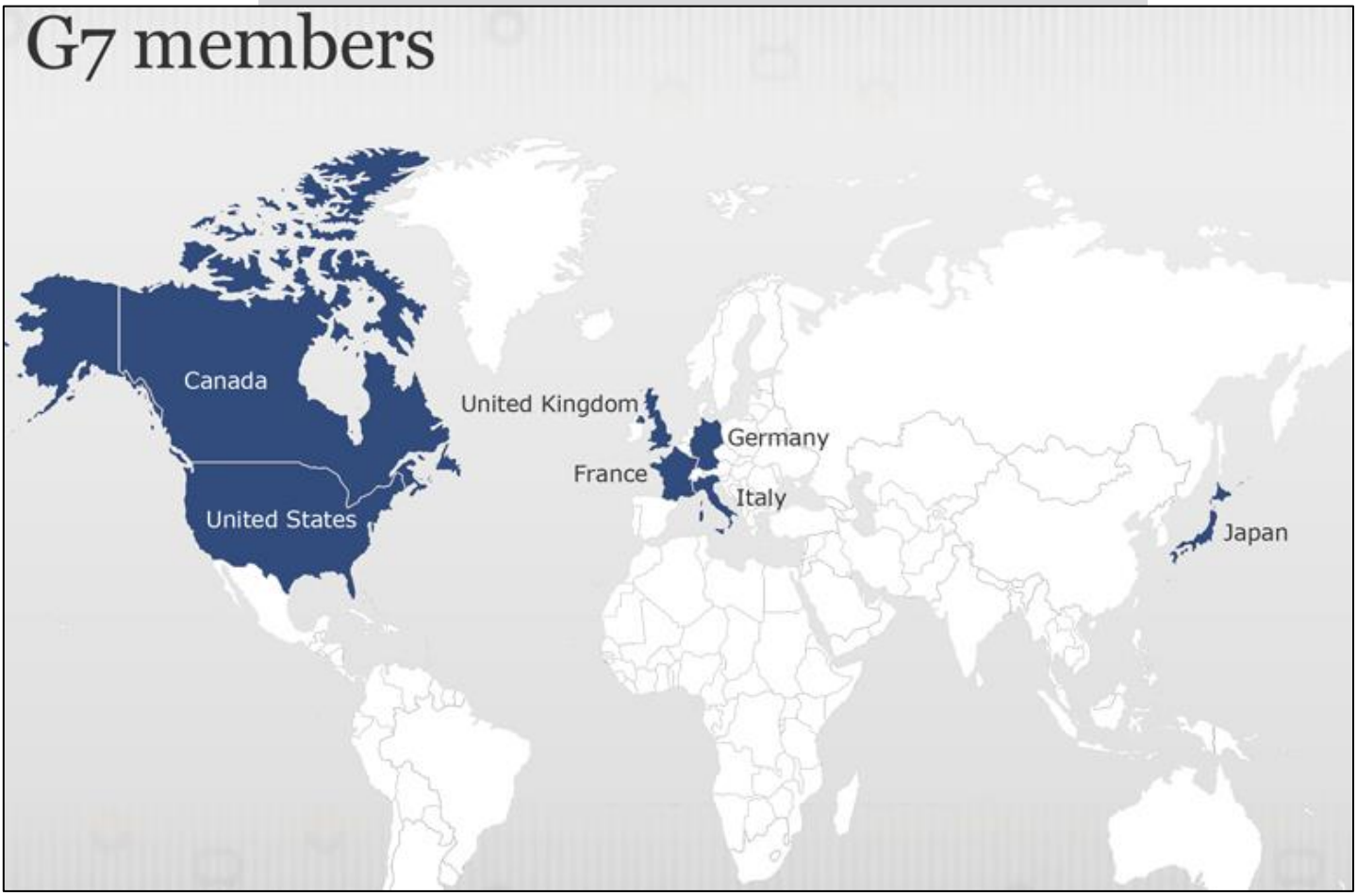


## मुख्य बिन्दु:

### G-7:

- **स्थापना:** ऊर्जा संकट के कारण आर्थिक और वित्तीय सहयोग के प्रत्युत्तर में 1975 में।
- **प्रकृति:** औद्योगिक लोकतांत्रिक देशों का एक अनौपचारिक समूह।
- **सदस्य:** फ्रांस, जर्मनी, इटली, यूनाइटेड किंगडम, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- रूस 1998 से 2014 तक इसका सदस्य था। उस दौरान इस मंच को G-8 कहा जाता था।
- मार्च 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे के कारण उसे इस समूह से निलंबित कर दिया गया।
- **उद्देश्य:** वैश्विक आर्थिक शासन, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा नीति जैसे प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रतिवर्ष बैठक करना।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य

## चर्चा में क्यों?

- पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के साथ-साथ रणनीतिक बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य को शस्त्रीकरण करने की धमकी दी है।

## मुख्य बिन्दु:

- **गैर-राज्य अभिकर्ताओं की भूमिका:** यमन में ईरान समर्थित हौथी भौगोलिक और सैन्य रूप से लाल सागर और बाब अल-मंडेब में व्यवधान उत्पन्न करने के लिए सक्षम हैं, जिससे प्रभावी रूप से संघर्ष का दायरा फारस की खाड़ी और ओमान सागर से कहीं आगे तक विस्तारित हो जाता है ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य:** यह अरब प्रायद्वीप और अफ्रीका के हॉर्न के बीच स्थित एक संकरा समुद्री मार्ग है ।
- यह उत्तर-पश्चिम में स्थित लाल सागर को दक्षिण-पूर्व में स्थित अदन की खाड़ी और अरब सागर/हिंद महासागर से जोड़ता है।
- **सीमावर्ती राष्ट्र:** यह यमन को जिबूती और इरिट्रिया से अलग करता है।
- **प्रमुख द्वीप:** यह जलडमरूमध्य 32 किमी चौड़ा है और यमन से संबंधित पेरीम द्वीप द्वारा दो चैनलों में विभाजित है।
- बाब-अल-मंडेब जलडमरूमध्य हिंद महासागर से लाल सागर में प्रवेश करने का एकमात्र मार्ग है और यह स्वेज नहर से जुड़ता है, जिससे एशिया और यूरोप के बीच एक महत्त्वपूर्ण व्यापार मार्ग बनता है।
- वैश्विक व्यापार का लगभग 10-12% और वैश्विक कंटेनर यातायात का लगभग 30% हिस्सा यहीं से होकर गुजरता है।
- जब इस जलडमरूमध्य पर खतरा मंडराता है, तो वैश्विक शिपिंग कंपनियों को दक्षिण अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के चारों ओर से जहाजों को मोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे यात्रा में 10 से 14 दिन की अतिरिक्त देरी होती है, जिससे वैश्विक माल ढुलाई दरें, बीमा लागतें काफी बढ़ जाती हैं और अंततः मुद्रास्फीति का कारण बनती हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# विज्ञान प्रौद्योगिकी

## शिगेलोसिस (Shigellosis)

### चर्चा में क्यों?

- केरल में शिगेलोसिस या शिगेला संक्रमण के प्रकोप का मामला दर्ज किया गया है।

### मुख्य बिन्दु:

**शिगेलोसिस:**

- **प्रकृति:** शिगेला बैक्टीरिया के कारण होने वाला अत्यधिक संक्रामक रोग।
- **संचरण:** संक्रमित भोजन या जल या संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क के माध्यम से फेकल-ओरल मार्ग से।
- **लक्षण:** तीव्र दस्त (अक्सर खूनी), बुखार, क्रैम्प्स।
- **संक्रमण-प्रवण समूह:** पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चे और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्ति।
- **चिंता:** बढ़ता रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR) और किसी स्वीकृत टीके की अनुपलब्धता।
- **रोकथाम:** स्वच्छता, साफ-सफाई, सुरक्षित भोजन और पानी।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR